

गाड़ी की फिर से प्रारम्भ करने के लिये क्या कोई मांग की गई है, और

(ख) क्या सरकार इस लोकल गाड़ी को फिर से चलायेगी; और

(ग) यदि हां, तो कब ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री के सभासद (श्री शाहनबाज खां): (क) जी हां।

(ख) जी नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

श्री बी० एन० सिन्हा : क्या मैं मंत्री महोदय से पूछ सकता हूँ कि जैसे अभी हाल ही में उन्होंने एक कान्फ्रेंस में कहा था कि रूमती की रेलवे पर यातायात का ज्यादा भार होने के कारण हम दूसरी मोटरों या दूसरी और चीजों का प्रयोग करने वाले हैं तो क्या इस बात पर विचार किया जा रहा है कि वहां पर लोकल ट्रेन होनी चाहिए ?

श्री शाहनबाज खां : जैसा कि अभी थोड़ी दूर पहले आनरबल मिनिस्टर साहब फरमा चुके हैं कि रूड़खेला से नागपुर तक पूरी लाइन को डबल कर रहे हैं, इस लिए कोई नई पैसेंजर ट्रेन बगैरह चलाने का सरदेस्त इरादा नहीं है। मौजूदा गाड़ियों को काफी समझा जाता है।

श्री जांगड़ : क्या मैं जान सकता हूँ कि मेरे द्वारा पूछे गये दो प्रश्नों के उत्तर में माननीय मंत्री महोदय ने कहा था कि जब कोच एवेलीबल होंगे तब लोकल ट्रेनें फिर से चलायी जायेंगी ? क्या यह सही नहीं है कि अब बहुत सी कोच एवेलीबल हो गयी हैं और कई लाइनों पर नई गाड़ियां चलायी जा रही हैं और कुछ पहले चलने वाली गाड़ियां फिर से चालू कर दी गयी हैं, जब कि इस लाइन पर अभी तक कोई भी गाड़ी नहीं चलायी गयी है ?

रेलवे तथा परिवहन मंत्री (श्री एन० बी० शास्त्री): जब माननीय सदस्य महोदय ने यह सवाल पूछा उस वक्त स्टील प्लांट्स बनने का फैसला नहीं हुआ था।

#### CONTRIBUTORY HEALTH SERVICE SCHEME

\*2198. **Shri Jhulan Sinha:** Will the Minister of Health be pleased to refer to the reply given to starred question No. 1518 on the 25th March, 1955 and state whether the number of Centres opened under the Contributory Health Service Scheme is adequate for the number of persons to be treated?

**The Deputy Minister of Health (Shrimati Chandrasekhar):** The number of centres is considered to be more or less adequate at present.

**Shri Jhulan Sinha:** May I know whether Government is aware that a large number of low paid government servants have to come back from these dispensaries disappointed because they cannot be looked into in due time?

**Shrimati Chandrasekhar:** In the beginning there were few such complaints. Of late the complaints are nil. So, I think, the scheme is working successfully.

**Shri Jhulan Sinha:** May I know if Government is aware that there are also a fairly large number of such low paid government servants who did not fill their forms in time and so they are now being deprived of the benefits of the scheme whereas deductions are compulsorily made from their pay?

**Shrimati Chandrasekhar:** I take the information from the hon. Member.

**Dr. Rama Rao:** May I know the total number of doctors employed under the scheme and the money that Government have spent on the whole scheme in Delhi city?

**Shrimati Chandrasekhar:** For this scheme, about 81 doctors have been sanctioned and the probable expendi-

ture for 1954-55 was about Rs. 21 lakhs, on the whole scheme, not only on the pay of the officers.

**Shri Bhagwat Jha Azad:** May I know what are the reasons for compelling the officers under this Contributory Health Scheme to have treatment only of the allopathic system? Have they any choice to have ayurvedic or homoeopathic treatment; if not, why not?

**Shrimati Chandrasekhar:** Since the Government of India do not at present recognise any other system than the modern system, it is not allowed.

### रंल दुर्घटना

\*२१००. श्री रघुनाथ सिंह : क्या रंलवं मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि २६ मार्च, १९५५ को दिल्ली से बम्बई जाने वाली पठानकोट एक्सप्रेस धौलपुर स्टेशन पर दुर्घटना गस्त हो गई ; और

(ख) यदि हां, तो उसके कारण क्या थे ?

रंलवं तथा परिवहन मंत्री के सभासचीव (श्री शाहनबाज खां): (क) २७-२-५५ को सवेर २ बजकर १५ मिनट पर (न कि २६-२-५५ को जैसा कि प्रश्न में कहा गया है) ४ अप पठानकोट एक्सप्रेस गाड़ी दो खाली डिब्बों से टकरा गयी, जो मुख्य लाइन पर खड़े थे। जिस समय टक्कर लगी, गाड़ी मध्य रंलवं के आगरा-भांसी संक्शन के धौलपुर स्टेशन पर आ रही थी। ये डिब्बे स्टेशन के अप बाहरी सिगनल और अप होम सिगनल के बीच मुख्य लाइन पर पहले से खड़े थे।

(ख) रंलवं अधिकारियों ने जांच के बाद जो रिपोर्ट दी है उससे मालूम होता है कि यह दुर्घटना मुख्य लाइन पर खड़े दो माल-डिब्बों के कारण हुई। धौलपुर स्टेशन यार्ड में 'शीटिंग' के समय कुछ माल-डिब्बे

मुख्य लाइन से हो कर मालगाँवम की लाइन से 'ट्रान्शिप शॉट लाइन' पर बदले जा रहे थे। उस समय मालगाड़ी के दो डिब्बे मुख्य लाइन पर छूट गये जिन पर किसी का ध्यान न गया।

श्री रघुनाथ सिंह : मैन लाइन पर जो डिब्बे खड़े थे वह इस गाड़ी के आने पर हटाये क्यों नहीं गये ?

श्री शाहनबाज खां : यह उनकी बड़ी भारी भूल हुई, जिसके लिए उनको बहुत कड़ी सजाये दी जा रही है।

श्री रघुनाथ सिंह : इसके लिए जिम्मेदार कौन हैं ?

श्री शाहनबाज खां : एक तो जो गूड्स ट्रेन का गाई था वह जिम्मेदार ठहराया गया। उसको नौकरी से हटा दिया गया। जो पाइंट्स मैन था उसके साथ भी एंसी ही कार्रवाई की गयी है। बक्स मैन और गूड्स ट्रेन के ड्राइवर को भी सजा दी गयी है। यह लोग भी जिम्मेदार ठहराये गये थे।

श्री भूलकर : क्या यह इसलिए किया गया . . . . .

**Mr. Speaker:** It is a small matter; now, it has been finished. There is no use going deep into that.

### POLISHING OF RICE

\*2201. **Shri Dabhi:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have advised the Bombay State to modify the latter's restrictions over the quantity of bran permitted to be removed in the polishing of rice; and

(b) if so, the reasons therefor?

**The Deputy Minister of Food and Agriculture (Shri M. V. Krishnappa):** (a) The proposal for the removal of bran to the extent of 6 2/3 per cent. in the polishing of rice was made by the Government of Bombay and it was agreed to by the Government of India.